कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 4 खंड: 6 जून 22-28, 2014

एन.ए.आय.पी कपास मूल्य श्रृंकला , ई.एल.एस. कपास खेती में सफलता की कहानी - एक विषय का अध्ययन

मुत्तेगौडर के पुत्र श्री.एम.रंगराज, कोयंबत्तूर, पोल्लाच्ची तालुक के किणातुकडवु ब्लाक के अरासीपालयम (पोस्ट) के तोप्पमपालयम गाँव के किसान एन.ए.आय.पी कपास मूल्य श्रृंकला परियोजना के एक परियोजना किसान हैं । उनके पास 4.25 एकड के वर्षा आधारित क्षेत्र है। मृदा के परीक्षण से पता चलता है कि मृदा की बनावट मिट्टी रेतीली दोमट है । इसका उर्वता स्थिति ने प्रकट किया कि वह उपलब्ध नाईट्रजन में कम है (138.3 केजी/है.), पास्परस की उपलब्धता में मध्य है (13.6 केजी./है) और पोट्टाशियम उपलब्धता में उच्च है (358.2 केजी./है) जहाँ पी.एच. 6.3 एवं ई.सी.0.14 डेसी मीटर$^{-1}$ है । सर्वाधिक खेती फसल टमाटर, मिर्ची, कपास एवं चारा सोर्गम हैं । वर्ष 2011-12 के दौरान घटकीय फसल के रुप में मक्का एवं बर्बटी के साथ 1.6 एकड के क्षेत्र में कपास की खेती हुई थी । एन.ए.आय.पी सी.वी.सी. परियोजना के तहत के.क.अ.सं द्वारा निर्धिरित एकीकृत प्रबंधन पद्धतियों किसान द्वारा अनुसरण किया गया ।

ई.एल.एस आनुवंशिक रूप आर.सी.एच.बी.708 बीटी संकर, वर्ष 2011, जुलाई महिने में वर्षा आधारित स्थिति में 150 X 60 सेमी में रोपण किया गया । अंतिम अंत-फसल क्रिया के बाद नमी संरक्षण प्रथा कूंड का अनुसरण किया गया । एकीकृत पोषक प्रबंधन 3 टान के मुर्गी-फार्म खाद, 7 टान के फार्म का खाद, जैव-उर्वरक एवं क्रमश 81.5, 89.0, 174.0,के नाईट्रजन, पास्परस आक्साईड एवं पोट्टाशियम आक्साईड उर्वरक पोषक के साथ 1.6 एकड क्षेत्र में कार्यान्वित किया गया । विभाजन खुराक के रुप में पोषक प्रयोग तीन चरण में जैसे 45, 75 एवं 105 दिनों में किया गया । फसल के प्रति पौध में 37-42 सिंफोडिया 150-420 हरे डोडे के साथ हैं । स्वच्छ कपास कटाई में शामिल तकनीकों का पालन किया गया। पांच कीटनाशक छिडकाव से चूसने कीट का प्रबंधन प्रभावित रूप में किया गया । उपज 1.6 एकड क्षेत्र में 26.5 क्विंटाल दर्ज किया गया जो 40.9 क्विंटाल कपास प्रति हैक्टैर का लेकांकित करता है । इसके अतिरिक्त 70 किलो के बर्बटी एवं 1 क्विंटाल का मक्का का भी कटाई सीमांत फसल से किया गया । खेति का कीमत रु.61,750 प्रति हैक्टैर का है जब्कि निवल लाभ रु.1, 22,3 42 प्रति हैक्टैर दर्ज किया गया है । लाभ एवं कीमत का अनुपात 2.98 था । ई.एल.एस का राष्ट्रीय औसत उत्पादकता 370 केजी/ हैक्टैर का रुई है । के.क.अ.सं, के एन.ए.आय.पी-सी.वी.सी परियोजना में निर्धारित एकीकृत कपास प्रबंधन प्रथाओं को किसान द्वारा ई.एल.एस कपास में वर्षा आधारित परिस्थिति के अधीन अपनाने से अधिक उपज (40.9 क्यू/है.) प्राप्त हुआ है ।

के.शंकरनारायणन एवं एन.गोपालकृष्णन

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-4, खंड-6, 2014, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com